



Kunal



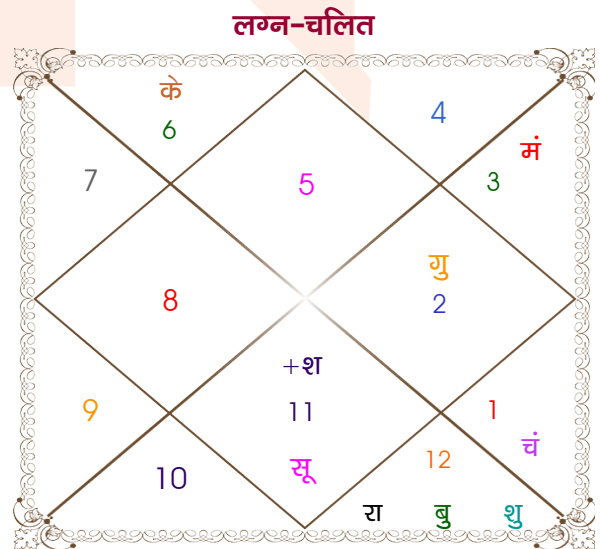
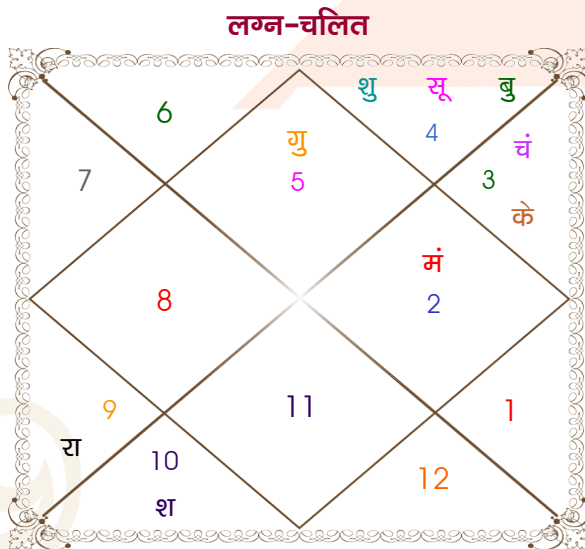
Surabhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119345002

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 28/07/1992 : _____ जन्म तिथि _____ 04/03/2025
 मंगलवार : _____ दिन _____ मंगलवार _____
 घंटे 08:30:00 : _____ जन्म समय _____ 17:38:00 घंटे
 घटी 07:01:38 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 27:00:08 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Ludhiana : _____ स्थान _____ Ludhiana
 30:56:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 30:56:00 उत्तर
 75:52:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 75:52:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:26:32 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:41:20 : _____ सूर्योदय _____ 06:49:56
 19:24:11 : _____ सूर्यास्त _____ 18:26:58
 23:45:30 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 24:12:32

विंशोत्तरी राहु 3वर्ष 0मा 15दि शनि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 8वर्ष 1मा 1दि शुक्र
14/08/2011		16:19:01	सिंह	लग्न	सिंह	10:16:53	04/03/2025
13/08/2030		11:31:52	कर्क	सूर्य	कुंभ	19:57:24	05/04/2033
शनि	16/08/2014	17:44:43	मिथु	चंद्र	मेष	21:16:30	00/00/0000
बुध	25/04/2017	07:08:59	वृष	मंगल	मिथु	23:13:53	00/00/0000
केतु	04/06/2018	21:07:15	कर्क व	बुध	मीन	07:24:16	00/00/0000
शुक्र	04/08/2021	20:38:19	सिंह	गुरु	वृष	18:21:36	00/00/0000
सूर्य	17/07/2022	23:45:46	कर्क	शुक्र व	मीन	16:29:59	00/00/0000
चन्द्र	15/02/2024	22:08:30	मक व	शनि	कुंभ	26:54:35	04/03/2025
मंगल	26/03/2025	06:34:41	धनु व	राहु	मीन	03:14:15	04/02/2026
राहु	31/01/2028	06:34:41	मिथु व	केतु	कन्या	03:14:15	05/04/2029
गुरु	13/08/2030	21:28:51	धनु व	हर्ष	मेष	29:31:12	04/02/2032
		23:19:20	धनु व	नेप	मीन	04:48:42	05/04/2033
		26:23:32	तुला व	प्लूटो	मक	08:46:10	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

ज्ञनदंस का वर्ग सिंह है तथा नतंड़ीप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञनदंस और नतंड़ीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञनदंस मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।

नतंड़ीप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ज्ञनदंस तथा नतंड़ीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।